# अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार




रजि.न.34300/80 | संख्या 264 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 29 सितम्बर 2025 | web: www. andaman.gov.in | 2.00 रुपए

# राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई जाएगी

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

दक्षिण अण्डमान ज़िले के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में सर्वसाधारण को सूचित किया गया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती 2 अक्टूबर, 2025 को पूरे देश में मनाई जाएगी। इस विशेष अवसर पर, श्री विजय पुरम में गांधी जयंती समारोह उस दिन सुबह 8.14 बजे शुरू होगा। समारोह में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल एवं द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.) शामिल होंगे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी, तत्पश्चात माननीय उप राज्यपाल एवं उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। शिक्षा विभाग के शिक्षकों और छात्रों द्वारा 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जे' एवं रामधुन का गायन होगा। उसके बाद दो मिनट का मौन रखा जाएगा। राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न होगा।

सभी सरकारी विभागों, संस्थाओं, स्वायत्त निकायों, परिषद, पंचायत प्रधानों, स्वयंसेवी संगठनों और ग्रामीणों से अनुरोध किया गया है कि वे श्रमदान द्वारा सामुदायिक संपत्ति का निर्माण करें और "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत इस माह में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाएँ। दक्षिण अण्डमान के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में इसके अतिरिक्त, आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे इस शुभ दिन पर पशु वध, पक्षियों की हत्या, मछली पकड़ने और शराब पीने से परहेज करें। 2 अक्टूबर, 2025 को राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि स्वरूप "ड्राई डे" (मद्य निषेध दिवस) के रूप में मनाया जाएगा।

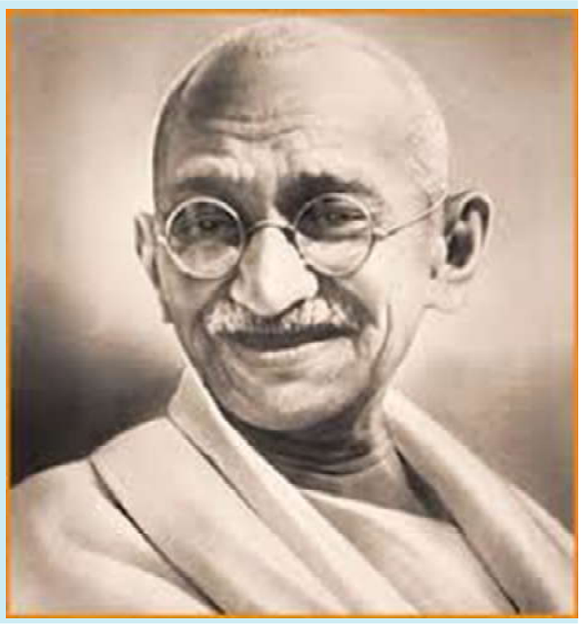

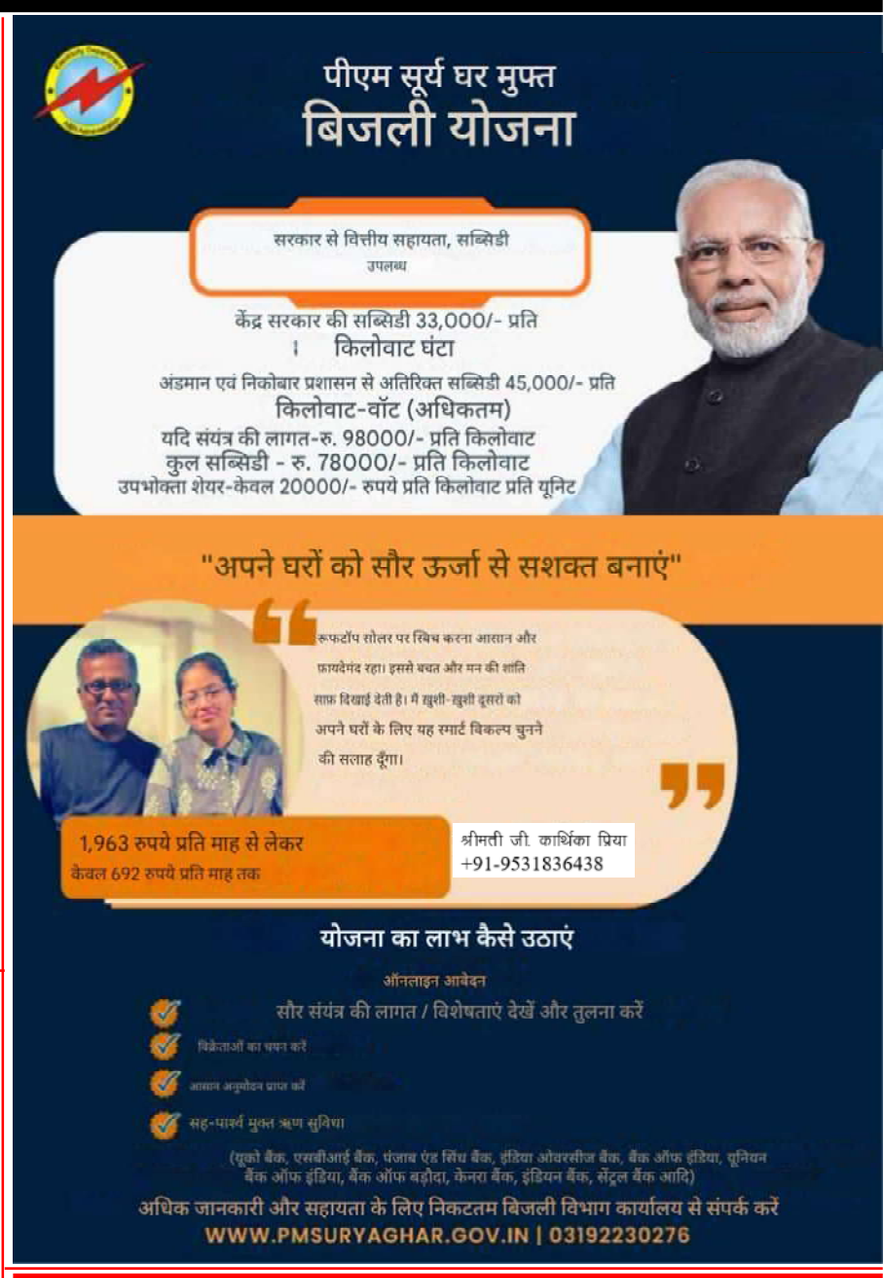






# माननीय सांसद ने द्वीपों के किसानों से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने द्वीप समूह के किसानों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे अपने पत्र में, श्री राय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि द्वीप समूह के किसानों को रूगोस स्पाइरलिंग व्हाइटफ्लाई और मिलीबग के संक्रमण के कारण नारियल, सुपारी, केला और अन्य फल देने वाली फसलों में भारी नुकसान हो रहा है।

सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सांसद ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह ज़मीनी स्थिति का अध्ययन करने, किसानों से बातचीत करने और रूगोस स्पाइरलिंग व्हाइटफ्लाई और मिलीबग के संक्रमण के खिलाफ तुरंत निवारक और वैज्ञानिक नियंत्रण उपाय शुरू करने के लिए मुख्यभूमि से एक उच्च–स्तरीय वैज्ञानिक विशेषज्ञ दल को नियुक्त करे। उन्होंने उचित सर्वेक्षण करने के बाद प्रभावित किसानों और आदिवासी समुदायों को मुआवज़ा प्रदान करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए द्वीपों के किसानों के लिए आधुनिक कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन यात्राओं की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया।

# ओग्राब्राज में आयोजित व्यापक विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर में 150 लाभार्थी शामिल हुए



श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने भारतीय चिकित्सा संघ के सहयोग से चल रहे स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत 28 सितंबर को दक्षिण अण्डमान के ओग्राब्राज में व्यापक विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शिव शंकर सिंह, वरिष्ठ परामर्शदाता, चिकित्सा विशेषज्ञ, ऋतिका मल्टी–स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिनमें डॉ. सिद्धाराजू, उप निदेशक (परिवार कल्याण)/संयुक्त सचिव (आरसीएच–2), श्री मोहम्मद शफीक़, प्रधान, मीठाखाड़ी, श्री आनंद अमृतराज, प्रधान, टुसनाबाद और डॉ. कालीश्वरन, चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, टुसनाबाद शामिल थे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. कालीश्वरन ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और शिविर में दी जाने वाली विशेषज्ञ सेवाओं की जानकारी दी, जिसमें चिकित्सा, मूत्रविज्ञान, शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, अस्थि रोग, त्वचा रोग और दंत विशेषज्ञों के परामर्श शामिल थे। उप निदेशक (परिवार कल्याण) डॉ. सिद्धाराजू ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार के कल्याण के लिए, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत परिकल्पित, रोगों की रोकथाम, शीघ्र पहचान और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया। अपने संबोधन में, डॉ. एस. एस. सिंह ने जटिलताओं को रोकने के लिए रोगों की शीघ्र पहचान और समय पर उपचार के महत्व पर ज़ोर दिया और समुदाय से दीर्घकालिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की अपील की। आईसीडीएस के सहयोग से, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सभी लाभार्थियों को बेहतर आहार प्रथाओं और पोषण संबंधी परामर्श को बढ़ावा देने के लिए एक खाद्य टोकरी और स्वस्थ व्यंजनों का प्रदर्शन किया। शिविर में 150 लाभार्थियों ने भाग लिया, जिससे प्रभावी सामुदायिक भागीदारी का प्रदर्शन हुआ।

# कार्यस्थल या प्रतिष्ठान को यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निष्पक्ष, प्रभावी और गोपनीय तरीके से निपटान के लिए आंतरिक समिति गठित करना अनिवार्य

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पोश अधिनियम) कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाने और एक सुरक्षित, संरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था। अधिनियम की धारा 4 के अनुसार, 10 या अधिक व्यक्तियों को नियोजित करने वाले प्रत्येक कार्यस्थल या प्रतिष्ठान को यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निष्पक्ष, प्रभावी और गोपनीय तरीके से निपटान करने के लिए एक आंतरिक समिति (आईसी) का गठन करना अनिवार्य है। आईसी में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए:

- एक पीठासीन अधिकारी की अध्यक्षता में, जो कार्यस्थल पर कार्यरत कर्मचारियों में से एक वरिष्ठ स्तर की महिला होगी। यदि कोई वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं है, तो पीठासीन अधिकारी को कार्यस्थल के अन्य कार्यालयों या प्रशासनिक इकाइयों से नामित किया जाएगा और यदि कार्यस्थल के अन्य कार्यालयों या प्रशासनिक इकाइयों में कोई वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी नहीं है, तो पीठासीन अधिकारी को उसी नियोक्ता या अन्य विभाग या संगठन के किसी अन्य कार्यस्थल से नामित किया जाएगा।
- कर्मचारियों में से कम से कम दो सदस्य, अधिमानतः महिलाओं के हितों के लिए प्रतिबद्ध या जिन्हें सामाजिक कार्य का अनुभव हो या कानूनी ज्ञान हो।
- महिलाओं के हितों के लिए प्रतिबद्ध गैर–सरकारी संगठनों या संघों में से एक सदस्य या यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से परिचित व्यक्ति।
- बशर्ते कि इस प्रकार नामित कुल सदस्यों में से कम से कम आधे सदस्य महिलाएँ हों।

श्रम विभाग से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आईसी को शिकायतें प्राप्त करने, जाँच करने और उचित कार्रवाई की सिफारिश करने का अधिकार है। धारा 4 का अनुपालन न करने पर अधिनियम की धारा 26 के अंतर्गत दंड लगाया जा सकता है, जिसमें पहली बार उल्लंघन करने पर 50,000 रुपये तक का जुर्माना शामिल है। शेष पृष्ठ 4 पर

# कायाकल्प योजना के तहत जीबी पंत अस्पताल में स्वास्थ्य एवं कल्याण पहलों में सक्रिय जनभागीदारी आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

कायाकल्प योजना के अंतर्गत भारत के शीर्ष 25 स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में से एक, जीबी पंत अस्पताल का अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स), श्री विजय पुरम, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार जनभागीदारी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल के तहत, गैर–सरकारी संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रभागों और सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों को जीबी पंत अस्पताल में स्वास्थ्य एवं कल्याण पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने और योगदान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

यह नागरिकों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना, स्वच्छता, रोगी देखभाल सेवाओं और सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों में सुधार लाने में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने का एक अवसर है।

आप जिन क्षेत्रों में योगदान दे सकते हैं:

- स्वास्थ्य जागरूकता और शिक्षा अभियान आयोजित करना
- परामर्श और रोगी सहायता सेवाएँ प्रदान करना
- स्वच्छता और स्वास्थ्य अभियानों में भाग लेना
- अस्पताल संचालन और रोगी सुविधा के लिए स्वयंसेवा करना
- निवारक स्वास्थ्य सेवा के लिए सामुदायिक आउटरीच का समर्थन करना
- रखरखाव, सौंदर्यीकरण और रखरखाव के प्रयासों में सहायता करना

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस परोपकारी कार्य में हितधारकों की भागीदारी निश्चित रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और कायाकल्प योजना के अंतर्गत स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करेगी। इच्छुक प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया है कि वे पंजीकरण और अन्य जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें या अस्पताल आएँ।

# अण्डमान लॉ कॉलेज में न्याय तक पहुँच पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर



अण्डमान लॉ कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, देश में लंबित मामलों की संख्या कम करने के लिए न्यायिक सुधारों की वकालत करने वाले एक गैर–सरकारी संगठन, 'फोरम फॉर फास्ट जस्टिस' के राष्ट्रीय संयोजक श्री प्रवीण पटेल द्वारा एक 'राष्ट्रीय मुक़दमा सभा' बनाने का विचार प्रस्तुत किया गया। कानूनी प्रक्रिया में अत्यधिक देरी के कारण वादियों की दुर्दशा के परिणामस्वरूप न्यायिक प्रणाली में ही विश्वास की कमी हो रही है, जो लोकतांत्रिक ताने–बाने के लिए ख़तरनाक हो सकता है।

संगोष्ठी में भाग लेते हुए, प्रसिद्ध शिक्षाविद और चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. फैज़ान मुस्तफ़ा ने ऑनलाइन माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और बताया कि आपराधिक न्याय प्रणाली में 'अपराध' की व्यापक व्याख्या, समाज में अन्याय को सामान्य बना देगी, शेष पृष्ठ 4 पर

# 'एक दिन स्वच्छता समुद्र तट के नाम' कार्यक्रम चलाया गया

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

स्वच्छता ही सेवा 2025 के एक भाग के रूप में, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने आज नागरिकों, स्वयंसेवकों और स्वच्छता टीमों की सक्रिय भागीदारी से 'एक दिन स्वच्छता समुद्र तट के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह स्वच्छता अभियान समुद्र तट क्षेत्र सड़क, हैडो, मरीना पार्क शेष पृष्ठ 4 पर

# टुसनाबाद में किसान गोष्ठी आयोजित

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर



पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा 25 सितंबर, 2025 को ग्राम पंचायत टुसनाबाद, दक्षिण अण्डमान में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक (पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा) डॉ. के. ए. नवीन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने डॉ. संझली सोरेन, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, श्री आनंद अमृत राज, टुसनाबाद के प्रधान और छोलदारी सेवा सहकारी लिमिटेड के सीईओ, श्री डी. एन. मधु के साथ क्षेत्र के पशुपालकों से बातचीत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, डॉ. नवीन ने किसानों के लाभ के लिए विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। अपने संबोधन में, डॉ. संझली सोरेन ने वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन प्रथाओं के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों को बेहतर उत्पादकता और आय सृजन के लिए विभागीय सेवाओं का सक्रिय रूप से लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, टुसनाबाद के प्रधान श्री आनंद अमृत राज ने किसान गोष्ठी आयोजित करने में विभाग के प्रयासों की सराहना की और आग्रह किया कि इस तरह के संवादात्मक सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, ताकि किसान सीधे उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रख सकें। छोलदारी सेवा सहकारी लिमिटेड के सीईओ श्री डी. एन. मधु ने किसान क्रेडिट कार्ड के महत्व पर प्रकाश डाला और किसानों के लिए इसके लाभों के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को सहयोग देने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, कृषि प्रदर्शक द्वारा साइलेज बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, शेष पृष्ठ 4 पर

# 'डीब्राइट' में क्वांटम प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान श्रृंखला का पहला व्याख्यान सफलतापूर्वक सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

यहां के डॉ. बी.आर. अम्बेड़कर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग ने 20 सितंबर, 2025 को अपने कॉन्फ्रेंस हॉल में ''क्वांटम प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान श्रृंखला'' का पहला व्याख्यान सफलतापूर्वक आयोजित किया।

इस पहल का उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) और इस अग्रणी क्षेत्र में वैश्विक प्रगति के अनुरूप, क्वांटम कंप्यूटिंग, संचार, संवेदन और एल्गोरिदम सहित उभरती क्वांटम प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता पैदा करना और एक आधारभूत समझ प्रदान करना है।

सत्र की शुरुआत 'डीब्राइट' के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी (डिग्री) श्री तेजिंदर सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने अग्रणी प्रौद्योगिकियों के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को उभरते क्षेत्रों का सक्रिय रूप से अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्याख्यान की शुरुआत डॉ. ई. मुथुकुमारन के एक गहन व्याख्यान से हुई, जिसमें उन्होंने भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) का परिचय दिया और इसके बजटीय प्रावधानों, रणनीतिक लक्ष्यों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण की व्याख्या की, जिससे भारत क्वांटम अनुसंधान में वैश्विक अग्रणी देशों में शामिल हो सके। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और अग्रणी यूरोपीय देशों सहित प्रमुख देशों में क्वांटम प्रौद्योगिकी अपनाने की स्थिति पर भी चर्चा की, और क्वांटम कंप्यूटिंग, क्रिप्टोग्राफी और सेंसिंग में प्रमुख उपलब्धियों और चल रहे अनुसंधान पर प्रकाश डाला।

इसके बाद प्रो. (डॉ.) सन्मुख कौर ने एक व्यापक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने क्वांटम संचार के मूल सिद्धांतों पर गहराई से चर्चा की। उन्होंने क्वांटम उलझाव, सुपरपोज़िशन और क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेडी) जैसी आवश्यक अवधारणाओं की व्याख्या की और प्रदर्शित किया कि कैसे ये सिद्धांत

अति–सुरक्षित संचार नेटवर्क को सक्षम बनाते हैं। प्रो. कौर ने सुरक्षित बैंकिंग, रक्षा प्रणालियों और अगली पीढ़ी के इंटरनेट बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में क्वांटम संचार के वास्तविक–विश्व अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की और छात्रों को इस क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार की भविष्य की संभावनाओं पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सत्र का समापन श्री तेजिंदर सिंह के धन्यवाद ज्ञापन और समापन भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने संसाधन व्यक्तियों की ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियों की सराहना की और छात्रों को आगामी सत्रों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान में सीएसई, ईसीई, सिविल, आईटी, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न शाखाओं के बीटेक और डिप्लोमा छात्रों और कई विभागों के संकाय सदस्यों सहित कुल 50 प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

इस सत्र ने प्रतिभागियों में जिज्ञासा और जागरूकता को सफलतापूर्वक जगाया और क्वांटम प्रौद्योगिकियों के दायरे, चुनौतियों और वैश्विक परिदृश्य की स्पष्ट समझ प्रदान की। इस पहल के तहत, यह घोषणा की गई कि क्वांटम प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान श्रृंखला प्रत्येक शनिवार को जारी रहेगी।

# आर.के.पुर, लिटिल अण्डमान में स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

लिटिल अण्डमान की ग्राम पंचायत रामकृष्णपुर के अधिकार क्षेत्र में रामकृष्णपुर बाज़ार क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। यह पहल प्रमुख अधिकारियों और समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से की गई, जिससे स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को बल मिला।

यह कार्यक्रम लिटिल अण्डमान के प्रमुख श्री एस. परमानाथन, लिटिल अण्डमान के सामुदायिक विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री बेल्थेज़र, लिटिल अण्डमान के रामकृष्णपुर के ज़िला परिषद सदस्य श्री असमंजा हलदर, लिटिल अण्डमान के रामकृष्णपुर की समिति सदस्य श्रीमती अनीता मंडल, लिटिल अण्डमान के रामकृष्णपुर की ग्राम पंचायत प्रधान श्रीमती शीउली मंडल और लिटिल अण्डमान के रामकृष्णपुर के पंचायती राज सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार लिटिल अण्डमान के पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, (डीएवाई–एनआरएलएम) के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और लिटिल अण्डमान के सभी स्थानीय संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। यह अभियान रामकृष्णपुर स्थित पंचायत भवन से शुरू होकर पूरे बाज़ार क्षेत्र में चलाया गया।

प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सार्वजनिक स्थानों की सफाई, बंद नालियों की सफाई और आसपास के क्षेत्रों से ठोस अपशिष्ट और कूड़ा–कचरा हटाने में भाग लिया। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने स्थानीय समर्थन जुटाने और स्वच्छता, सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों, स्थानीय विक्रेताओं और निवासियों ने समुदाय–संचालित कार्रवाई का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपना योगदान दिया।

# स्वच्छता ही सेवा के तहत साइक्लाथॉन का आयोजन

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

स्वच्छता ही सेवा 2025 के एक भाग के रूप में, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने आज सुबह नगर मुख्यालय परिसर से साइक्लाथॉन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को अधिकारियों, नागरिकों और साइकिलिंग प्रेमियों की उपस्थिति में, एसवीपीएमसी के अधीक्षण अभियंता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा इंदिरा गांधी प्रतिमा से शुरू होकर मरीन हॉल, लाइट हाउस थिएटर जंक्शन, गणेश मंदिर, सेल्यूलर जेल और वेलोड्रोम से होते हुए शहर के प्रमुख स्थलों से होकर नेताजी स्टेडियम में समाप्त हुई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार साइक्लाथॉन का उद्देश्य स्वच्छता, फिटनेस और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी का संदेश फैलाना और नागरिकों को परिवहन के स्थायी साधनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

# कंदवल्ली वरीनाका राष्ट्रीय स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में द्वीपों का प्रतिनिधित्व करेंगी

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह के स्कूली छात्रों के लिए राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी (बीआईटीएम) का आयोजन कल श्री विजय पुरम स्थित शिक्षा सदन के सम्मेलन कक्ष में उप निदेशक शिक्षा (विज्ञान) द्वारा किया गया। संगोष्ठी का विषय 'क्वांटम युग की शुरुआतः संभावनाएँ और चुनौतियाँ' था और यह कक्षा 8वीं से 10वीं तक के छात्रों के लिए खुला था। इस कार्यक्रम में द्वीप समूह के तीनों ज़िलों का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल सात छात्रों ने भाग लिया। भाग लेने वाले स्कूलों में गोल टेकरी स्कूल, पीएम श्री कैंपबेल बे स्कूल, हटबे स्कूल, विवेकानंद केंद्र जिला परिषद विद्यालय, पहलगाँव, कौशल्या नगर स्कूल, वीकेवी, लम्बा लाइन और गर्ल्स स्कूल, श्री विजय पुरम शामिल थे।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत उप निदेशक शिक्षा (विज्ञान) श्री राम प्रवेश के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने मुख्य अतिथि श्री ज्ञान शील दुबे, कार्यालय प्रमुख, शिक्षा निदेशालय, के साथ–साथ निर्णायकों, अनुरक्षक शिक्षकों और अभिभावकों का अभिवादन किया। प्रत्येक प्रतिभागी ने विषय पर एक प्रस्तुति दी, जिसके बाद निर्णायकों के साथ एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र

हुआ। कठोर मूल्यांकन के बाद, राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्री विजय पुरम की कुमारी कंदवल्ली वरीनाका को विजेता घोषित किया गया, जबकि वीकेवी, लम्बा लाइन की कुमारी डी. लेखा को उप विजेता घोषित किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कुमारी कंदवल्ली वरीनाका अब 30 अक्टूबर, 2025 को विश्वेश्वरैया औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालय, बेंगलुरु में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह का प्रतिनिधित्व करेंगी।

# राष्ट्रीय स्तर पर द्वीपों का प्रतिनिधित्व करेंगे राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता के 25 विजेता

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह द्वारा माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता 2025 का आयोजन 27 और 28 सितंबर को श्री विजय पुरम स्थित एएलएचडब्ल्यू बहुउद्देशीय हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में तीन ज़िलों के कुल 69 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कला उत्सव, स्कूली विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने हेतु 2015 में शुरू की गई एक प्रमुख पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार और अभिव्यक्ति को बढ़ावा देते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। राज्य परियोजना अधिकारी, समग्र शिक्षा से प्राप्त एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष, एकल और समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से छह व्यापक कला रूपों, जैसे गायन, वाद्य, नृत्य, रंगमंच, दृश्य कला और पारंपरिक कहानी सुनाना, के अंतर्गत बारह श्रेणियों में प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई थीं। राज्य स्तरीय आयोजन से पहले, खंड और ज़िला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें से 69 छात्रों को अपने ज़िलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

श्री एस. सुरेश कुमार, राज्य परियोजना अधिकारी, समग्र शिक्षा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और कला उत्सव प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डाला तथा पिछले राष्ट्रीय स्तर की कला उत्सव प्रतियोगिताओं में इस केंद्र शासित प्रदेश की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन 27 सितंबर, 2025 को कार्यालय प्रमुख एवं उप शिक्षा निदेशक (शैक्षणिक) श्री ज्ञान शील दुबे ने गणमान्य व्यक्तियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। प्रतिभागियों ने जीवंत प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया, जिसका मूल्यांकन 16 बाहरी निर्णायक मंडल सदस्यों के एक पैनल द्वारा किया गया। श्रीमती संगीता चंद, प्रधानाचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान ने 28 सितंबर, 2025 को आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। कुल मिलाकर, विभिन्न कला रूपों से 25 विजेताओं को निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव में इस केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2025 के अंतर्गत गायन संगीत एकल में दक्षिण अण्डमान ज़िले के फरारगंज स्कूल की द्वीपिका, गायन संगीत समूह में उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के मायाबंदर के पीएम श्री मॉडल स्कूल की अंतरा केरकेट्टा, सोनाली कुमारी, प्रिया लाकड़ा, संजीत डुंग डुंग, वाद्य संगीत एकल तालवाद्य (लयबद्ध वाद्य यंत्र) में उत्तर व मध्य अण्डमान के डिगलीपुर के सुभाषग्राम के पी एम श्री स्कूल के नितिश सरकार, वाद्य संगीत समूह में उत्तर व मध्य अण्डमान के सीएफओ नाला स्कूल के दीशांत मंडल, बासुदेव बिश्वास, अनुश्री बैद्य, एस. एंजल, नृत्य एकल में उत्तर व मध्य अण्डमान के रंगत के पी एम श्री स्कूल की अरित्री भौमिक, नृत्य समूह में उत्तर व मध्य अण्डमान के मायाबंदर के पी एम श्री मॉडल स्कूल के जगराति कुमारी, जी. हर्षिता, नॉ एशवीन, अमन कुमार, रंगमंच समूह में दक्षिण अण्डमान के अबर्डीन के मॉडल स्कूल के दिव्यांका प्रसाद, बी. अनुषा नाथ, अदिति रॉय, जैक रूडोल्फ, परम्परागत कथा वाचन समूह में दक्षिण अण्डमान के स्वराज द्वीप के पी एम श्री स्कूल के मिम्मा बिश्वास, स्वीटी रॉय, दृश्य कला एकल (2डी) में दक्षिण अण्डमान के लम्बा लाइन के वीकेवी की अर्पिता बेपारी, दृश्य कला एकल (3डी) में दक्षिण अण्डमान के विजय पुरम के कार्मल स्कूल की तृषा एस. बालन तथा दृश्य कला समूह में उत्तथा दृश्य कला समूह में उत्तर व मध्य अण्डमान के डिगलीपुर स्कूल के तुहिन पोलिया, शुभम दास विजयी रहे।

## टुसनाबाद में किसान गोष्ठी आयोजित

पृष्ठ 1 का शेष

जिससे किसानों को प्रभावी चारा संरक्षण तकनीकों को समझने में मदद मिली, ताकि साल भर गुणवत्तापूर्ण पशु आहार की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार किसान गोष्ठी में स्थानीय किसानों ने उत्साहपूर्वक चर्चा में भाग लिया और पशुधन विकास, नस्ल सुधार और स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में अपनी शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का समापन किसानों और अधिकारियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## 'एक दिन स्वच्छता समुद्र तट के नाम'

पृष्ठ 1 का शेष

तट, कार्बाइंस कोव तट और मज़ार पहाड़ सहित प्रमुख तटीय क्षेत्रों में चलाया गया।

इस पहल का उद्देश्य तटरेखा और आसपास के क्षेत्रों की बड़े पैमाने पर सफाई करना और समुद्र तटों और समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। स्थायी प्रथाओं को और बढ़ावा देने के लिए, 3आर टीम ने बेकार टायरों और अन्य पुनर्चक्रित उत्पादों से बनी अपशिष्ट–से–कला वस्तुओं का प्रदर्शन मरीना पार्क और सेल्यूलर जेल में प्रमुखता से किया। इन प्रदर्शनों ने पुनर्चक्रण की रचनात्मक क्षमता पर प्रकाश डाला और लोगों को दैनिक जीवन में रेडयूज़, रियूज़, रिसाइकिल (3आर) के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

## कार्यस्थल या प्रतिष्ठान को यौन उत्पीड़न

पृष्ठ 1 का शेष

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने विविध आवेदन डायरी संख्या 22553/2023 में दिनांक 12 अगस्त, 2025 के आदेश द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम विभागों को सभी नियोक्ताओं द्वारा इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

तदनुसार, केंद्र शासित प्रदेश अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के सभी नियोक्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे तुरंत एक एकीकृत उद्यम (यदि पहले से गठित नहीं है) का गठन करें और एकीकृत उद्यम के गठन की एक प्रति श्रम विभाग को ईमेल **lcdet@and.nic.in** या व्हाट्सएप नंबर 8900901130 के माध्यम से भेजें। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में, इसे पोश अधिनियम के अंतर्गत संबंधित ज़िला अधिकारी को प्रेषित किया जाएगा। अधिक स्पष्टीकरण/प्रश्नों के लिए, यदि कोई हो, तो फ़ोन नंबर 233138 पर संपर्क किया जा सकता है।

## अण्डमान लॉ कॉलेज में न्याय तक

पृष्ठ 1 का शेष

जिससे अपराध के प्रति अवांछित सम्मान पैदा होगा। जैसा कि उन्होंने बताया, न्याय की अवधारणा स्वयं विकसित हो रही है और न्यायशास्त्र तथा संवैधानिकता के प्रश्न बढ़ रहे हैं।

फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्री भगवानजी रैयानी ने अपने संबोधन में आग्रह किया कि नागरिक समाज को अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के लिए अपनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बजट का आवंटन बहुत कम है। विभिन्न अदालतों में लगभग पाँच करोड़ मामले लंबित हैं और नवंबर तक सर्वोच्च न्यायालय में 82,000 मामले लंबित हैं। प्राचार्य डॉ. पी.वी. नागेंद्र शर्मा ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार के लिए बुनियादी ढाँचे, तकनीकी नवाचार आदि के लिए अधिक वित्तीय आवंटन के माध्यम से लंबित मामलों को कम करने के उपाय करने का यह सही समय है। दक्षिण अण्डमान के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार मीणा (आईपीएस) ने कानून के छात्रों से आग्रह किया कि वे विशेष रूप से द्वीप समूह में आपराधिक मामलों के लंबित रहने के कारणों को समझने के लिए शोध में संलग्न हों। श्री विजय पुरम के अपर जिला न्यायाधीश श्री नेयाज़ आलम ने एक न्यायिक अधिकारी के रूप में अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों के बीच स्मृति चिन्ह वितरित किए गए। कानून के छात्रों और गैर सरकारी कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने अच्छी संख्या में भाग लिया, जिससे हॉल खचाखच भरा हुआ था। अंग्रेजी की सहायक प्रोफेसर सुश्री निशा सिकदर ने विधि के सहायक प्रोफेसर श्री आसिफ बेलाल अंसारी के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। फोरम फॉर फास्ट जस्टिस अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह के संयोजक श्री रशीद यूसुफ और सुश्री मरियम बीबी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री रशीद यूसुफ ने घोषणा की कि ज़रूरतमंदों को सेवा प्रदान करने के लिए उनके कार्यालय (अग्रवाल नेत्र अस्पताल के सामने), आरजीटी रोड में निःशुल्क विधि सहायता क्लिनीक शुरू किया जाएगा।

# अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता हुई

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

10वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की आयुष शाखा और अण्डमान तथा निकोबार राज्य आयुष सोसाइटी द्वारा कल आयुष अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में छात्रों के लिए 'लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद' विषय पर अंतर–विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन दो श्रेणियों, कक्षा चौथी और पाँचवीं तथा कक्षा छठी से नौवीं में आयोजित किया गया था। युवा कलाकारों ने आयुर्वेद, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य के मूल्यों को दर्शाते चित्रों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को खूबसूरती से व्यक्त किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतियोगिता में, श्रेणी–1 (चौथी और पाँचवीं) में, वीकेवी, लम्बा लाइन की जे.पी. रिद्धिशा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, आरजीटी स्कूल की एस. रितिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कामराज इंग्लिश मीडियम स्कूल, ब्रुक्शाबाद के देवेश साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्रेणी–2 (छठी से नौवीं) में, सेंट मैरी स्कूल, भातूबस्ती की आर. रेशमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वीकेवी लम्बा लाइन की दर्शना तमाडा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि सेंट मैरी स्कूल, भातूबस्ती की सान्वी कलिगिथी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

# कबड्डी चैंपियनशिप सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

अण्डमान तथा निकोबार कबड्डी संघ के तत्वावधान में और अण्डमान तथा निकोबार राज्य ओलंपिक संघ के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राज्य ओपन सीनियर पुरुष और महिला कबड्डी चैंपियनशिप आज मिनी बे स्थित अण्डमान तथा निकोबार कमान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई। इस चैंपियनशिप में कुल छह पुरुष और तीन महिला टीमों ने अपने कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में, जय श्री राम टीम विजेता रही, जबकि पीपीएस बम्बूफ्लाट ने उपविजेता स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में, वीएमटी टीम ने विजेता ट्रॉफी जीती, जबकि नेवी एनएवीसीसी उप विजेता रही। समापन समारोह में ज़िला परिषद अध्यक्ष श्री प्रकाश अधिकारी मुख्य अतिथि और गुप्तापाड़ा पंचायत प्रधान श्री दुर्लभ दास विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री अधिकारी ने विजेता और उप विजेता टीमों को बधाई दी और सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस खेल को पूरी लगन से अपनाएँ और राष्ट्रीय स्तर पर द्वीप समूह का नाम रोशन करें। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर, ज़िला परिषद सदस्य और अण्डमान तथा निकोबार कबड्डी संघ की अध्यक्षा श्रीमती सारिका देवी ने खिलाड़ियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

# भारत में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार 10,000 से ज्यादा नई मेडिकल सीटों को मंजूरी

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

**मुख्य बातें**

मंत्रिमंडल की एक बैठक के दौरान, 75,000 मेडिकल सीटें सृजित करने के लक्ष्य के तहत, 15,034 करोड़ रुपये के निवेश से 10,023 नई मेडिकल सीटों को मंजूरी दी गई।

स्नातक सीटों में 141 प्रतिशत और स्नातकोत्तर सीटों में 144 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, मेडिकल कॉलेजों की संख्या 2013–14 के 387 से दोगुनी होकर 2025–26 में 808 हो गई।

नए 2025 नियम अनुभवी सरकारी विशेषज्ञों को अनिवार्य निवास आवश्यकताओं के बिना प्रोफेसर बनने की अनुमति देते हैं।

यह पहल विशेष रूप से वंचित समुदायों को लक्षित करती है और भारत को किफायती स्वास्थ्य सेवा के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करती है।

**परिचय**

1.4 अरब की आबादी वाला भारत सार्वभौमिक (हर किसी के लिए) स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करने की चुनौती का सामना कर रहा है। प्रशिक्षित डॉक्टरों और विशेषज्ञों की अपर्याप्त संख्या के कारण दूरदराज के आदिवासी इलाकों और गांवों में रहने वाले कई लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच नहीं मिल पाती।

इस बड़ी कमी को समझते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विस्तार की शुरुआत की है। 24 सितंबर, 2025 को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मौजूदा सरकारी कॉलेजों और अस्पतालों में 10,000 से अधिक नई मेडिकल सीटें जोड़ने की एक ऐतिहासिक पहल को मंजूरी दी, जो चार वर्षों में 15,034 करोड़ रुपये के रणनीतिक निवेश का प्रतिनिधित्व करती है। यह महत्वाकांक्षी कदम अगले पांच वर्षों में 75,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटें सृजित करने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

''केंद्र प्रायोजित योजना के तीसरे चरण को मंजूरी मिलने से स्नातकोत्तर और स्नातक चिकित्सा सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार होगा और चिकित्सा शिक्षा का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत के हर हिस्से में कुशल डॉक्टर उपलब्ध हों।''

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 सितंबर, 2025 को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा देश ने पिछले दशक में अपने चिकित्सा बुनियादी ढांचे का काफी विस्तार किया है, फिर भी मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है।

**मेडिकल सीटों का विस्तार**

1.4 अरब लोगों के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तथा कुशल और उपलब्ध कार्यबल पर निर्भर करता है।

सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाने के लिए – विशेष रूप से ग्रामीण, आदिवासी और दुर्गम समुदायों के लिए – प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2028–29 तक मौजूदा सरकारी कॉलेजों और अस्पतालों में अतिरिक्त 5,000 स्नातकोत्तर और 5,023 स्नातक चिकित्सा सीटों को मंजूरी दी।

इस विस्तार के लिए कुल निवेश 15,034 करोड़ रुपये है, जो 2025–26 से 2028–29 की अवधि को कवर करता है। इसमें से 68.5 प्रतिशत, यानी 10,303.

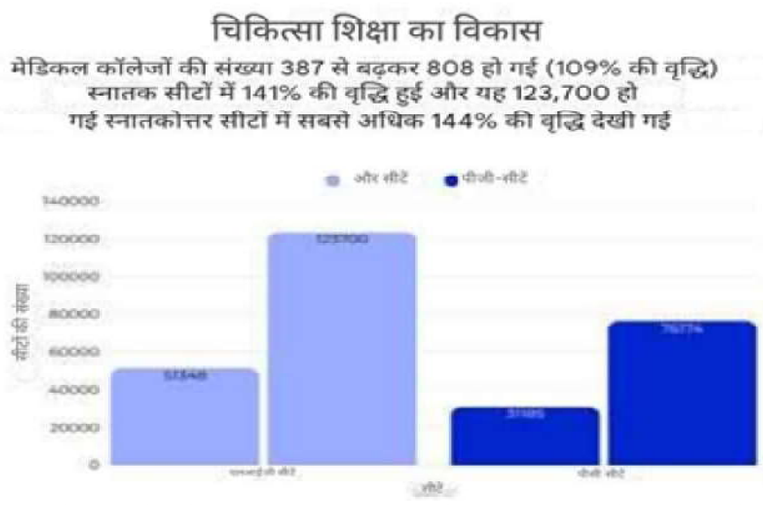


20 करोड़ रुपये, केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित किए जाएंगे, जबकि शेष 4,731.30 करोड़ रुपये राज्यों द्वारा दिए जाएंगे। प्रति सीट निवेश 1.5 करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री ने अगले पांच वर्षों में 75,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों की परिकल्पना की है और 24 सितंबर, 2025 को दी गई यह नई मंजूरी उस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।

**लाभ और प्रभाव**

विशेष रूप से विशेषज्ञों सहित कुशल चिकित्सा कार्यबल की नियुक्ति से वंचित समुदायों को लाभ होगा। मौजूदा बुनियादी ढांचे का उपयोग लागत–प्रभावी है और कार्यबल के संतुलित क्षेत्रीय वितरण को बढ़ावा देता है।

अन्य लाभ और प्रभाव इस प्रकार हैं:

इच्छुक मेडिकल छात्रों को भारत में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे।

चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और यह वैश्विक मानकों के अनुरूप होगी।

अधिक डॉक्टरों और विशेषज्ञों के साथ, भारत किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और विदेशी मुद्रा को बढ़ाने के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन सकता है।

वंचित ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा मिलेगी।

नई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां जुड़ेंगी (डॉक्टर, संकाय, पैरामेडिकल स्टाफ, शोधकर्ता, प्रशासक और सहायक सेवाएं)।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच से भारत का सामाजिक–आर्थिक विकास मजबूत होगा।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य सेवा का बुनियादी ढांचा समान रूप से वितरित किया जाएगा।

**भारत की समृद्ध चिकित्सा अवसंरचना**

भारत में मेडिकल कॉलेज (808) सबसे अधिक संख्या में हैं और भारत वर्षों से अपने चिकित्सा शिक्षा अवसंरचना का विस्तार कर रहा है।

आज एमबीबीएस (बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी) की 1,23,700 सीटें हैं। पिछले दशक में, 127 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, 69,352 सीटें जोड़ी गईं। इस अवधि के दौरान 143 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 43,041 स्नातकोत्तर सीटें जोड़ी गईं।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत 22 नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को मंजूरी दी गई, जिसका उद्देश्य सभी लोगों और क्षेत्रों के लिए सस्ती और विश्वसनीय तृतीयक स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाना और देश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

नए संकायों को जोड़ने की सुविधा के लिए, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने जुलाई में चिकित्सा संस्थान (संकाय योग्यता) विनियम, 2025 अधिसूचित किए। ये विनियम पात्र संकायों के पूल को व्यापक बनाने, भारत भर के मेडिकल कॉलेजों में स्नातक (एमबीबीएस) और स्नातकोत्तर (एमडी/एमएस) सीटों के विस्तार को सुगम बनाने और अगले पांच वर्षों में 75,000 नई मेडिकल सीटों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

**नये नियमों द्वारा प्रस्तुत कुछ प्रमुख सुधार इस प्रकार हैं:**

220+ बिस्तरों वाले गैर–शिक्षण सरकारी अस्पतालों को अब शिक्षण संस्थान के रूप में नामित किया जा सकता है।

10 वर्षों के अनुभव वाले मौजूदा विशेषज्ञों को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, और 2 वर्षों के अनुभव वाले विशेषज्ञों को – अनिवार्य सीनियर रेजीडेंसी के बिना – सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, बशर्ते वे दो वर्षों के भीतर बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स (बीसीबीआर) पूरा कर लें।

एनबीईएमएस–मान्यता प्राप्त सरकारी चिकित्सा संस्थानों में तीन वर्षों के शिक्षण अनुभव वाले वरिष्ठ सलाहकार प्रोफेसर के पद के लिए पात्र हैं।

नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों को अब एक साथ स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति है, जिससे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और शिक्षण संकाय के उत्पादन में तेजी आएगी।

एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री के अलावा, माइक्रोबायोलॉजी और फार्माकोलॉजी विभाग अब एमएससी–पीएचडी योग्यता वाले संकाय नियुक्त कर सकते हैं।

वर्तमान में व्यापक विशेषज्ञता वाले विभागों में कार्यरत सुपर स्पेशियलिटी योग्यता वाले संकाय को औपचारिक रूप से उनके संबंधित सुपर स्पेशियलिटी विभागों में संकाय के रूप में नामित किया जा सकता है।

**निष्कर्ष**

हाल ही में 10,023 अतिरिक्त मेडिकल सीटों की मंजूरी भारत द्वारा सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में एक और कदम है, और यह पिछले एक दशक में देश द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर आधारित है। यह विशेष रूप से वंचित ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में, भारत सरकार की स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की गंभीर कमी को दूर करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे भारत एक वैश्विक चिकित्सा केंद्र बन सके।

इसके व्यापक प्रभाव होंगे, जिनमें चिकित्सा शिक्षा के मानकों में सुधार, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, और सबसे महत्वपूर्ण बात, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा तक पहुंच की कमी से जूझ रहे उन करोड़ों नागरिकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम आदि शामिल हैं।

# पशुपालन मंत्रालय की ऐतिहासिक पहल, जानवरों के लिए ब्लड बैंक और ट्रांसफ्यूजन एसओपी जारी

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

मनुष्य की तरह जानवर भी कई बार गंभीर बीमारियों, दुर्घटनाओं या ऑपरेशन के दौरान ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत महसूस करते हैं. लेकिन अब तक भारत में जानवरों के लिए ब्लड ट्रांसयूजन से जुड़ी कोई गाइडलाइन या SOP मौजूद नहीं थी. इसी कमी को पूरा करने के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने हाल ही में "जानवरों के लिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन और ब्लड बैंक गाइडलाइंस और एसओपी जारी की हैं.

भारत में 537 मिलियन से अधिक पशुधन और लगभग 125 मिलियन पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्लियां आदि) हैं. यह क्षेत्र न केवल किसानों और ग्रामीणों की आजीविका का आधार है बल्कि राष्ट्रीय GDP का 5.5 प्रतिशत और कृषि जीडीपी का 30 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है. ऐसे में जब पशु चिकित्सा विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है तो आपातकालीन स्थितियों में ब्लड ट्रांसफ्यूजन जैसी सेवाएं उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है.

नई गाइडलाइंस और एसओपी में ब्लड ट्रांसफ्यूजन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को वैज्ञानिक, नैतिक और सुरक्षित ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया है.

राज्य स्तर पर ब्लड बैंक की स्थापना . जिनमें आधुनिक लैब और बायोसेटी नियमों का पालन हो.

ब्लड टाइपिंग और क्रॉस–मैचिंग अनिवार्य– ताकि जानवरों में ब्लड देने के बाद कोई असंगति या रिएक्शन न हो.

डोनर जानवरों के लिए पात्रता मानक– केवल स्वस्थ, उचित आयु और वजन वाले, टीकाकृत और रोग–मुक्त जानवर ही ब्लड डोनेट कर पाएंगे.

स्वैच्छिक दान पर जोर– बिना किसी लालच के, मालिक

की सहमति और 'डोनर राइट्स चार्टर' के साथ ब्लड दान किया जाएगा.

वन हेल्थ सिद्धांतों पर ध्यान– ताकि ब्लड डोनेशन और ट्रांसफ्यूजन के दौरान किसी भी प्रकार के जूनोटिक रोगों (जो जानवर से इंसान तक फैल सकते हैं) का खतरा न रहे.

इन गाइडलाइंस को तैयार करने के लिए वेटरिनरी काउंसिल ऑफ इंडिया, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों, ICAR संस्थानों, राज्य सरकारों, प्रैक्टिसिंग वेटरिनेरियन और विशेषज्ञों का सहयोग शामिल रह. इसका उद्देश्य भारत की पशु चिकित्सा सेवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है.

इन SOP के लागू होने से भारत में पशु स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव आएगा.

गंभीर स्थितियों में जानवरों की जान बचाना आसान होगा. पशुपालकों और पालतू पशु मालिकों को बेहतर आपातकालीन देखभाल मिल सकेगी.

ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन की उत्पादकता और सुरक्षा बढ़ेगी. यह कदम भारत को पशु चिकित्सा क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाएगा.

# 11वीं और 12वीं के लिए एनसीईआरटी शुरू करेगा फ्री ऑनलाइन कोर्स, रजिस्ट्रेशन आरम्भ

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

अगर आप 11वीं या 12वीं में पढ़ रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने अब छात्रों की पढ़ाई आसान बनाने के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोर्स शुरू किए हैं इन कोर्स का मकसद छात्रों को बोर्ड एग्जाम की तैयारी में मदद करना है सबसे अच्छी बात यह है कि यह कोर्स सरकार के SWAYAM पोर्टल पर उपलब्ध होंगे और छात्र इन्हें घर बैठे बिना कोई फीस दिए कर सकेंगे. इन कोर्स में दाखिला लेने की प्रक्रिया 22 सितंबर, 2025 से शुरू हो गई है। अगर कोई छात्र नामांकन करना चाहता है तो उसके पास 20 फरवरी 2026 तक का समय रहेगा यानी करीब 5 महीने तक छात्र नामांकन कर सकते हैं. कोर्स की कुल अवधि 24 हफ्तों की होगी यानी छात्रों को लगभग 6 महीने का समय मिलेगा जिसमें वे सभी मॉड्यूल और अध्याय पूरा कर पाएंगे. इसके बाद अंतिम परीक्षा 3 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी परीक्षा में बैठने के लिए छात्रों को 2 मार्च 2026 तक पंजीकरण कराना जरूरी होगा.

एनसीईआरटी ने कक्षा 11 और 12 के लिए अलग–अलग विषयों में कोर्स बनाए हैं. कक्षा 11 के लिएः अकाउंटेंसी, जीवविज्ञान, व्यवसाय अध्ययन, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, भौतिकी, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र. कक्षा 12 के लिएः जीवविज्ञान, व्यवसाय अध्ययन, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, गणित, भौतिकी, मनोविज्ञान और

समाजशास्त्र. इन सभी विषयों को अध्याय और मॉड्यूल में बांटा गया है, ताकि छात्र धीरे–धीरे और व्यवस्थित तरीके से पढ़ाई कर सकें. ये सारे कोर्स एनसीईआरटी के अनुभवी शिक्षकों द्वारा तैयार और पढ़ाए जाएंगे हर विषय में ऐसे टॉपिक्स शामिल किए गए हैं, जो छात्रों की बुनियाद मजबूत करें और उन्हें बोर्ड एग्जाम में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिले ऑनलाइन होने की वजह से छात्र अपनी सुविधा और समय के हिसाब से पढ़ाई कर पाएंगे.कोर्स पूरा करने के बाद छात्र को परीक्षा देनी होगी अगर कोई छात्र इस परीक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाता है तो उसे एनसीईआरटी की ओर से सर्टिफिकेट दिया जाएगा यह सर्टिफिकेट छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा और आगे पढ़ाई या करियर में मददगार साबित हो सकता है. जिन छात्रों को इसमें भाग लेना है वे नामांकन की शुरुआत होने के बाद swayam.gov.in वेबसाइट पर जाकर आसानी से आवेदन कर सकते हैं इसके लिए किसी तरह की फीस नहीं लगेगी.

# इतिहास के पन्नों में 29 सितंबरः इंग्लिश चौनल तैरकर पार करने वाली पहली एशियाई महिला बनीं आरती साहा

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

29 सितंबर 1959 का दिन भारतीय खेल जगत के लिए ऐतिहासिक रहा। इसी दिन भारत की तैराक आरती साहा ने इंग्लिश चौनल को तैरकर पार करने का कारनामा कर दिखाया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली एशियाई महिला बनीं।

कोलकाता में जन्मी आरती साहा बचपन से ही तैराकी में गहरी रुचि रखती थीं। उन्होंने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते और मात्र 19 वर्ष की उम्र में इंग्लिश चौनल को जीतने के लिए चुनौती स्वीकार की। कठिन धारा, ठंडे समुद्र और तेज हवाओं से जूझते हुए उन्होंने लगभग 42 किलोमीटर लंबा यह सफर तय किया।

आरती साहा की इस उपलब्धि ने न केवल भारत, बल्कि पूरे एशिया को गौरवान्वित किया। भारत सरकार ने उनकी इस असाधारण उपलब्धि पर उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

महत्वपूर्ण घटना :

1650–इंग्लैंड में पहले मैरिज ब्यूरो की शुरुआत हुई।

1789–अमेरिका के युद्ध विभाग ने स्थायी सेना स्थापित की।

1836–मद्रास चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की स्थापना हुई।

1911–इटली ने ऑटोमन साम्राज्य के ख़लिाफ़ युद्ध की

घोषणा की।

1915–टेलीफोन से पहला अंतरमहाद्वीपीय संदेश भेजा गया।

1927–अमेरिका और मैक्सिको के बीच टेलीफोन सेवा की शुरुआत हुई।

1959–आरती साहा ने इंग्लिश चौनल को तैरकर पार किया।

1962–कोलकाता में बिड़ला तारामंडल खुला।

1971 –बंगाल की खाड़ी में चक्रवातीय तूफान से करीब 10 हज़ार लोगों की मौत हुई।

1977–सोवियत संघ ने स्पेस स्टेशन साल्युत 6 को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया।

# समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ भारत और यूरोपीय संघ ने शुरू किया नया 'Ideathon' प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने समुद्री प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटने के लिए एक नया कार्यक्रम 'Ideathon' लॉन्च किया है। इस पहल में स्टार्टअप्स, शोधकर्ता, व्यवसाय और अन्य हितधारक भारत और यूरोपीय संघ दोनों से आवेदन कर सकते हैं, ताकि साथ मिलकर व्यावहारिक और नवाचारी समाधान विकसित किए जा सकें। डॉ. पर्विंदर माइनी, वैज्ञानिक सचिव, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय (OPSA), सरकार ने बताया कि यह 'Ideathon' एक साझा प्रयास है, जिसका उद्देश्य ऐसे समाधान तैयार करना है जो वैश्विक रूप से प्रासंगिक और स्थानीय स्तर पर प्रभावी हों।

डॉ. माइनी ने कहा, "समुद्री प्लास्टिक कचरे से निपटने के लिए यह 'Ideathon' भारत और ईयू के साझा दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या का समाधान दोनों क्षेत्रों में खोजने का अवसर प्रदान करती है।"

उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने हाल के वर्षों में स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान और एकल–उपयोग प्लास्टिक पर देशव्यापी प्रतिबंध जैसी पहलें शुरू की हैं, ताकि प्लास्टिक प्रदूषण को कम किया जा सके।

एसिग्ने रैटसो, उप निदेशक–जनरल, अनुसंधान और नवाचार, यूरोपीय आयोग ने कहा कि यह EU-India-TTC-WG2 'Ideathon' भारत–ईयू सहयोग को मजबूत

करेगा। उन्होंने बताया कि "यह पहल हमें साथ लाती है ताकि समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या का समाधान किया जा सके, जो हमारे क्षेत्रों में समुद्री जीवन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और तटीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए खतरा है।" डॉ. राकेश कौर, सलाहकार, OPSA और निएन्के बुइस्मान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग इकाई प्रमुख, यूरोपीय आयोग ने प्रतिभागियों को समुद्री प्लास्टिक कचरे से निपटने के लिए सहयोगी रास्तों की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया। लॉन्च इवेंट में 'Ideathon' की रूपरेखा, प्रक्रिया, संरचना, दिशा–निर्देश और समयसीमा की जानकारी भी दी गई। भारत और यूरोपीय संघ में समुद्री प्लास्टिक कचरे की स्थिति पर प्रोफेसर होयसाला एन. चाणक्य, मुख्य शोध वैज्ञानिक, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु और जॉन हैनस, यूरोपीय आयोग, ने प्रस्तुतियाँ दीं। उन्होंने दोनों क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों और जारी शोध पहलों को उजागर किया और इस मुद्दे से निपटने के लिए समन्वित और निरंतर कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। 'Ideathon' में आवेदन 2 अक्टूबर तक खुले रहेंगे।

# भारी बारिश के साथ तेज हवा की संभावना

श्री विजय पुरम, 28 सितम्बर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में 29 और 30 सितंबर, 2025 को 7 से 11 सेंटीमीटर की भारी बारिश होने की संभावना है और एक या दो स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवा के साथ गरज के साथ बौछारें और बिजली गिरने की संभावना है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में 1 और 2 अक्टूबर को एक या दो स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज़ हवा के साथ गरज के साथ बौछारें और बिजली गिरने की संभावना है।

निकोबार द्वीप समूह में 2 अक्टूबर को एक या दो स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवा के साथ गरज के साथ बौछारें और बिजली गिरने की संभावना है।

अण्डमान द्वीप समूह में 3 अक्टूबर को एक या दो स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवा के साथ गरज के साथ बौछारें और बिजली गिरने की संभावना है।

आपदा प्रबंधन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 29 सितंबर, 2025 से 1 अक्टूबर, 2025 तक अण्डमान सागर और अण्डमान तथा निकोबार तट पर 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से 55 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक पहुँचने वाली सतही हवाओं के साथ तेज़ हवाओं वाला मौसम रहने की संभावना है। समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 29 सितंबर, 2025 से 1 अक्टूबर, 2025 तक अण्डमान सागर और अण्डमान तथा निकोबार तट के आसपास समुद्र में नहीं जाएँ।

# हिन्दी भवन में 'श्री रामलीला' का आयोजन

श्री विजय पुरम, 28 सितंबर

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दी साहित्य कला परिषद, श्री विजय पुरम द्वारा रामनवमी एवं विजयदशमी के पावन अवसर पर पर 'हिन्दी भवन' में दो दिवसीय 'श्री रामलीला' का आयोजन किया गया है। पिछले लगभग चालीस वर्षों से लगातार इस वर्ष भी ''श्री रामलीला'' का आयोजन किया गया है। इसका शुभारम्भ 1 अक्टूबर, 2025 को शाम 6 बजे होगा। इस अवसर पर स्वामी शुद्धानन्द सरस्वती, आचार्य, चिन्मय मिशन, श्री विजय पुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह मुख्य अतिथि होंगे तथा स्वामी हरिपदो नन्द, भारत सेवा संघ, श्री विजय पुरम, विशेष अतिथि होंगे एवं सन्यासिनी चैतन्यानन्दमयी, प्रणव कन्या संघ, श्री विजय पुरम विशेष अतिथि होंगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 2 अक्टूबर, 2025 को शाम 6 बजे 'श्री रामलीला' के समापन अवसर पर श्रीमती गीता रानी (आईपीएस), पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस विभाग, श्री विजय पुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह मुख्य अतिथि होंगी।

# क्यों 29 सितंबर को मनाया जाता है 'वर्ल्ड हार्ट डे'

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

वर्ल्ड हार्ट डे 2025: 'कहते हैं न दिल खुश तो सब खुश'... यह सिर्फ बोलने वाली बात नहीं है बल्कि सोचने और समझने वाली बात है. इसी बात को ध्यान में रखते हुए हर साल 29 सितंबर को 'वर्ल्ड हार्ट डे' पूरी दुनिया में मनाया जाता है. अब आप सोचेंगे यह दिन मनाने के पीछे आखिर कारण क्या है? दरअसल, हम अपनी दिल को लेकर एकदम बेफ्रिक रहते हैं. लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है. यह हमारे शरीर में एक पंप सिस्टम की तरह काम करता है. अगर दिल या उसमें होने वाली ब्लड सर्कुलेशन में किसी भी तरह की गड़बड़ी हई तो व्यक्ति हार्ट अटैक, स्ट्रौक और हार्ट फेल का शिकार हो जाता है. इतना ही नहीं उसकी जान भी जा सकती है।

'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन' ने अपने रिपोर्ट में यह पहले ही साफ कर चुका है कि पूरी दुनिया में शदिल की बीमारीश से मरने वाले लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है. हर साल दिल की बीमारी , हार्ट अटैक, हार्ट फेल, स्ट्रोक से 20.5 मिलियन से अधिक लोगों की जान जाती है. वहीं वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के मुताबिक दिल या उसमें होने वाली ब्लड सर्कुलेशन में हल्की सी भी गड़बड़ी होती है तो दिल का दौरा, स्ट्रोक और हार्ट फेल की संभावना बढ़ जाती है. पूरी दुनिया में वर्ल्ड हार्ट डे मनाने के पीछ कारण यह ताकि लोगों को इससे जुड़ी बीमारी और दिल के महत्व को लेकर जागरूक किया जाए. उन्हें इस कार्यक्रम के जरिए बताया जाए कि क्या खाने से आपका दिल हेल्दी रहेगा. और कौन सा खाना आपके दिल को बीमार कर सकता है. क्योंकि पूरी दुनिया में ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिनकी लाइफस्टाइल और खराब खानपान की वजह से उन्हें दिल के दौरा का सामना करना पड़ता है।

**...इसलिए 29 सितंबर को मनाया जाता है 'वर्ल्ड हार्ट डे'**

वर्ल्ड हार्ट डे मनाने के पीछ कारण है लोगों को

लाइफस्टाइल, हेल्दी डाइट, एक्सरसाइज को लेकर जागरूक करना. वहीं ज्यादा से ज्यादा लोगों को बताना कि धूम्रपान शरीर के लिए ठीक नहीं है, स्ट्रेस, हाई बीपी, हाई कोलेस्ट्रोल, डायबिटीज किस तरह से धीरे–धीरे दिल की बीमार कर देती है. इस दिन पूरी दुनिया में इससे जुड़े खास कार्यक्रम किए जाते हैं. ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ सकें.

**दिल को सेहतमंद और हेल्दी रखने के यह उपाय**

दिल की बीमारी सबसे ज्यादा खराब खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से होती है. इसलिए अपने दिल को हेल्दी और खुश रखना है तो पोषक तत्व खाएं क्योंकि आपका दिल खुश तो पूरा शरीर खुश रहेगा. दिल बीमारी तो वह आपके पूरे शरीर को बीमार कर देगा.

**दिल को जानें**

दिल को जानें से अर्थ यह है कि अगर हार्ट अटैक, या आपको किसी तरह की दिक्कत हो रही है तो इन छोटे–छोटे संकेत को पहचानें. अपने दिल को जानें क्योंकि दिल जब किसी भी खतरे में होता है तो वह अपने तरफ से पूरी कोशिश करता है कि आपकी जान बच जाए और वह सिग्नल देता है लेकिन इंसान उसे अनदेखा कर देता है. इसलिए इस साल इस खास थीम को शामिल किया गया है कि दिल को जानें. आपको जानना बेहद जरूरी है कि आपका दिल हेल्दी है या नहीं. इसलिए लिए आपको हमेशा एक टाइम गैप के बाद डॉक्टर से चेकअप करवाना चाहिए।

# ऊर्जा और बिजली क्षेत्र में कृषि का विविधीकरण देश की ज़रूरत है: केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ऊर्जा और बिजली क्षेत्र में कृषि का विविधीकरण देश की ज़रूरत है। नई दिल्ली में भारत जैव ऊर्जा और प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी है, और सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान केवल 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि गाँवों में गरीबी और बेरोज़गारी किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य न मिलने के कारण है। सड़क मंत्री कहा कि वैश्विक बाज़ार अक्सर चीनी, मक्का, तेल और सोयाबीन जैसी फसलों की कीमतें तय करते हैं, इससे भारतीय किसानों पर असर पड़ता है।

# धरती से बढ़ रही चंद्रमा दूरी, धीरे–धीरे बढ़ती जाएगी मिनट और घंटों की संख्या; क्या है वजह?

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

पृथ्वी का विश्वसनीय खगोलीय साथी चंद्रमा, जो 4.5 अरब वर्षों से हमारे साथ है, अब हमसे दूर होता जा रहा है। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है।

भौतिकी और खगोल विज्ञानी डॉ. स्टीफन डिकर्वी के अनुसार, चंद्रमा हर साल 1.5 इंच (3.8 सेमी) की दर से पृथ्वी से दूर हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप, पृथ्वी के घूमने की गति भी धीमी हो रही है, जिससे भविष्य में दिन लंबे हो सकते हैं।

चंद्रमा का निर्माण लगभग 4.5 अरब साल पहले हुआ था, जब युवा पृथ्वी पर मंगल ग्रह के आकार का एक प्रोटोप्लैनेट टकराया था, जिससे बहुत सारा पदार्थ अंतरिक्ष में फैल गया। अंततः उसी पदार्थ से चंद्रमा का निर्माण हुआ। यह प्रारंभ में पृथ्वी के बहुत करीब था। उस समय, चंद्रमा आकाश में बहुत बड़ा दिखाई देता था। जीवाश्म विज्ञानियों ने यह प्रमाणित किया है कि लगभग 70 करोड़ साल पहले, डायनोसार के समय के अंत में, पृथ्वी का एक दिन केवल 23.5 घंटे का था।

डा. डिकर्बी ने बताया कि ज्वार–भाटे के कारण चंद्रमा हमसे दूर होता जा रहा है। पृथ्वी के ज्वार–भाटे चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल से अत्यधिक प्रभावित होते हैं, जिसके कारण हमारे महासागरों में दो उभार बनते हैं। एक उभार चंद्रमा की ओर होता है, क्योंकि यहीं पर गुरुत्वाकर्षण बल सबसे प्रबल होता है, जबकि दूसरा उभार चंद्रमा से दूर होता है, जहां यह बल सबसे कमजोर होता है। ये तरल उभार चंद्रमा के साथ बिल्कुल संरेखित नहीं होते। ये उसे थोड़ा आगे ले जाते हैं क्योंकि पृथ्वी घूम रही है और उन्हें आगे की ओर खींच रही है।

निकटवर्ती ज्वारीय उभार से आगे की ओर खिंचाव के

कारण चंद्रमा की गति बढ़ जाती है, जिससे उसकी कक्षा का आकार बढ़ जाता है। जैसे–जैसे चंद्रमा की कक्षा बड़ी होती जाती है, चंद्रमा की गति बढ़ती जाती है। इसका अर्थ है कि चंद्रमा पृथ्वी से थोड़ा दूर हो जाता है।

चंद्रमा की दूरी मापने की प्रक्रिया में विज्ञानी अंतरिक्ष यान और यात्रियों द्वारा वहां रखे गए दर्पणों से लेजर की मदद लेते हैं। प्रकाश को चंद्रमा तक पहुंचने और वापस लौटने में लगने वाले समय को मापकर, विज्ञानी चंद्रमा की दूरी और उसमें होने वाले परिवर्तनों को सटीकता से निर्धारित कर सकते हैं। यह काफी जटिल प्रक्रिया है।

चूंकि पृथ्वी चंद्रमा की गति बढ़ाने का कार्य कर रही है, इसलिए पृथ्वी का घूमना धीमा हो जाता है, क्योंकि उसका संवेग चंद्रमा की ओर जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे–जैसे चंद्रमा दूर होता जाएगा, एक दिन में सेकेंड, मिनट और अंततः घंटों की संख्या भी धीरे–धीरे बढ़ती जाएगी। हालांकि, डॉ. डिकर्बी ने आश्वस्त किया कि यह प्रभाव बहुत धीमे होता है। वर्तमान में चंद्रमा पृथ्वी से 3,84,000 किमी की दूरी पर है और इसकी तुलना में 1.5 इंच प्रति वर्ष की दूरी केवल 0.00000001 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि लाखों वर्षों तक ग्रहण, ज्वार–भाटे और 24 घंटे तक चलने वाले दिन आते रहेंगे।

# 4जी नेटवर्क और बीएसएनएल टावर से डिजिटल इंडिया को नई ताकत

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश भर में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भारत के पूरी तरह स्वदेशी 4जी स्टैक और 97,500 से अधिक स्वदेशी बीएसएनएल टावरों का उद्घाटन करने जा रहे हैं।

**इस पहल से पूरे देश में 100 प्रतिशत 4जी कवरेज सुनिश्चित होगा, जिससे हर नागरिक की डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत होगी**

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस पहल से पूरे देश में 100 प्रतिशत 4जी कवरेज सुनिश्चित होगा, जिससे हर नागरिक की डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा, "भारत के दूरसंचार क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर और बीएसएनएल के 25 शानदार वर्षों के जश्न के अवसर पर, पीएम मोदी ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, असम, गुजरात और बिहार में भारत के पूरी तरह स्वदेशी 4जी स्टैक और 97,500 से अधिक स्वदेशी बीएसएनएल टावरों का उद्घाटन करेंगे।"

**ये पहल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी छलांग हैं, जो भारत को टेलीकम्युनिकेशन के सेक्टर में एक ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करती हैं**

उन्होंने कहा कि ये पहल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी छलांग हैं, जो भारत को टेलीकम्युनिकेशन के सेक्टर में एक ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करती हैं। केंद्रीय मंत्री ने एक वीडियो शेयर कर कहा, "भारत को जोड़ने के 25 वर्ष, स्वदेशी ताकत पर आधारित भविष्य। बीएसएनएल अपनी सिल्वर जुबली 'मेड इन भारत' 4जी क्रांति के साथ मना रहा है।"

**बीएसएनएल का 4जी स्टैक स्वदेशी भावना का प्रतीक है**

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के एक लेख को रिपोस्ट करते हुए 'पीएमओ इंडिया' ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बीएसएनएल का 4जी स्टैक स्वदेशी भावना का प्रतीक है। पीएमओ ने पोस्ट में कहा, "92,000 से अधिक साइटों के साथ 22 मिलियन भारतीयों को जोड़कर, यह भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा को दर्शाता है, जो रोजगार, निर्यात, आर्थिक पुनरुद्धार को बढ़ावा देता है और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है।"

**सिंधिया के अनुसार, पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प के तहत भारत ने 22 महीनों में स्वदेशी 4ळ स्टैक विकसित किया**

प्रधानमंत्री ओडिशा के झारसुगुड़ा में 60,000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने वाले हैं। इन परियोजनाओं में दूरसंचार, रेलवे, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और ग्रामीण आवास जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। इस अवसर पर मोदी एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आगे कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प का ही परिणाम है कि आज, भारत ने सिर्फ 22 महीनों में एक स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया है।

**केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया फंड के तहत भारत के 100 प्रतिशत 4जी नेटवर्क का भी शुभारंभ करेंगे**

उन्होंने कहा, "बीएसएनएल का यह स्वदेशी स्टैक दर्शाता है कि भारत अब न केवल सेवाएं देने में सक्षम है बल्कि टेक्नोलॉजी भी विकसित कर सकता है और ग्लोबल टेलीकॉम लीडर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।" केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया फंड के तहत भारत के 100 प्रतिशत 4जी नेटवर्क का भी शुभारंभ करेंगे। एक मिशन मोड प्रोजेक्ट के तहत लगभग 29,000 से 30,000 गांवों को इससे जोड़ा जाएगा।

# नीति आयोग ने ''प्रगति के मार्ग: भारत की नवाचार गाथा विश्लेषण और अंतर्दृष्टि'' रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

नीति आयोग ने 'प्रगति के मार्ग: भारत की नवाचार गाथा विश्लेषण और अंतर्दृष्टि' संबंधी अपनी व्यापक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष में भारत की प्रगति दर्शायी गई है और वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थिति सुदृढ़ करने में देश की उपलब्धियों, चुनौतियों और अवसरों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत किया गया है।

अटल नवाचार मिशन के मिशन निदेशक डॉ. दीपक बागला ने रिपोर्ट जारी किए जाने के अवसर पर उद्यमशीलता प्रतिभा को पोषित करने, नवाचार को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने और पूरे देश में एक सक्रिय स्टार्टअप संस्कृति स्थापित करने में एआईएम की परिवर्तनकारी भूमिका का उल्लेख किया।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत ने भारत के विकास पथ को साकार रूप देने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण साक्ष्य–आधारित अंतर्दृष्टि प्रदान करती है जो नीति–निर्माण को दिशा देने और संस्थागत संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ ही शैक्षणिक जगत, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय–सहयोग बढ़ा सकती है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर बल दिया कि भारत में नवोन्मेष सर्वव्यापी है और यह केवल अग्रणी प्रौद्योगिकियों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने अनुसंधान उन्नयन, प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और सभी क्षेत्रों में नवोन्मेष का व्यावसायीकरण सुगम बनाने की सरकार की पहल का उल्लेख किया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने समावेशी और संदर्भ–आधारित नवाचार के महत्व पर ज़ोर दिया जो वास्तविक चुनौतियों के समाधान में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा तथा सतत, समतापूर्ण विकास को गति देने की भारत की समग्र क्षमता को मज़बूत करता है।

मुख्य अतिथि और शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में सु.ढ़ नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित करने में भारत की प्रगति का उल्लेख किया और भारत को ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के महत्व पर बल दिया। श्री प्रधान ने भारत के युवाओं, प्रतिभाओं और संस्थागत शक्तियों का उपयोग कर ऐसे नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने का आह्वान किया जो व्यापक और समावेशी हों।

कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव तथा नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक भी उपस्थित थे, जो भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को उन्नत बनाने की सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता दर्शाता है।

रिपोर्ट भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर की पहल, उद्योग और जमीनी स्तर पर नवीन सृजन, स्टार्टअप, विश्वविद्यालय–उद्योग–सरकार के बीच सहयोग और वैश्विक नवाचार वरीयता क्रम में भारत की स्थिति शामिल है। यह रिपोर्ट प्रणालीगत चुनौतियों की भी पहचान कर उनके समाधान की भविष्य योजना प्रस्तुत करती है जिसमें सफल मॉडलों को विस्तारित करना, गहन तकनीकी नवोन्मेष को बढ़ावा देना, ज्ञान सृजन सु.ढ़ करना, वैश्विक एकीकरण बढ़ाना और राज्यों में नवाचार क्षमता निर्माण शामिल है। नीति आयोग की रिपोर्ट ज्ञान–संचालित नवप्रवर्तन, नवाचार–प्रधान अर्थव्यवस्था को पोषित करने और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के उभरने की महत्वाकांक्षा आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

# अब खेतों में कब और कितनी सिंचाई करनी है, बताएगी स्मार्ट डिवाइस; छात्रों की अनोखी खोज

नई दिल्ली, 28 सितम्बर।

खेती में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है–सही समय पर और सही मात्रा में सिंचाई करना. अगर समय से पानी नहीं मिला तो फसल खराब हो सकती है, और जरूरत से ज्यादा पानी देने पर भी नुकसान होता है. लेकिन अब किसानों की यह परेशानी दूर होने जा रही है. एसएनजीआईटीएस (SNGITS) के छात्रों ने एक ऐसी स्मार्ट डिवाइस तैयार की है जो मिट्टी की नमी के स्तर को रीयल टाइम में मापकर यह बताएगी कि खेत को कब और कितने पानी की जरूरत है।

इस डिवाइस की खास बात यह है कि इसके जरिए किसान न सिर्फ सिंचाई का सही समय जान सकेंगे, बल्कि पानी की बचत भी कर पाएंगे. प्रोजेक्ट की मेंटर और कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. सुभीता शर्मा ने बताया कि शुरुआती परीक्षणों में यह सामने आया है कि इस डिवाइस के उपयोग से सिंचाई में 30 प्रतिशत तक पानी की बचत हो सकती है. आज के समय में जब जल संकट बढ़ता जा रहा है, यह डिवाइस किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है. डिवाइस की टीम में शामिल छात्राओं ने बताया कि उन्होंने इस सिस्टम को खासतौर पर भारतीय कृषि प्रणाली को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है. इसमें मिट्टी में लगे सेंसर लगातार नमी की मात्रा को मापते रहते हैं और यह जानकारी कंप्यूटर या मोबाइल ऐप पर भेजते हैं. जैसे ही मिट्टी की नमी कम होती है, डिवाइस अलर्ट भेजती है और बताती है कि अब सिंचाई जरूरी है. यही नहीं, यह भी बताया जाता है कि कितने समय तक और कितनी मात्रा में पानी देना चाहिए।

छात्राओं का यह प्रयास तकनीक को सीधे खेती से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम है. इस डिवाइस को बनाने में IoT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है. इसमें माइक्रोकंट्रोलर, सेंसर, वाई–फाई मॉड्यूल और कोडिंग की मदद से एक ऐसा सिस्टम तैयार किया गया है जो पूरी तरह ऑटोमैटिक तरीके से काम करता है.

इस प्रोजेक्ट को बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन) की छात्राएं प्रेरणा, नंदिनी और शिवांगी ने मिलकर बनाया है. इनकी मेंटर डॉ. सुभीता शर्मा ने न केवल तकनीकी मार्गदर्शन दिया बल्कि उन्हें मोटिवेट भी किया कि वे समाज के लिए कुछ उपयोगी बनाएं।

इस डिवाइस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसे छोटे और मझोले किसान भी आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं. इसकी लागत बेहद कम है और इसे स्मार्टफोन से कनेक्ट किया जा सकता है. यानी जो किसान तकनीक से ज्यादा परिचित नहीं हैं, वे भी इसे बिना किसी परेशानी के इस्तेमाल कर सकेंगे. छात्राओं का कहना है कि अगर सरकार और कृषि विभाग इस तकनीक को बड़े स्तर पर अपनाने में मदद करें, तो देश के करोड़ों किसानों को लाभ मिल सकता है. इससे न केवल फसल की उपज बढ़ेगी, बल्कि पानी की भी बचत होगी और लागत भी कम आएगी।